

सुरक्षा विशेषज्ञों की राय में, अभी भारत-पाक युद्ध की संभावना नहीं है

उनकी इस राय का आधार यह तथ्य है, कि दोनों देशों में सेना का वह “मोबिलाइज़ेशन” (भारी गतिविधि) नहीं दिख रहा, जो युद्ध के पहले देखा जाता है

-जाल खंभाता-

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 अप्रैल। पहलगाम की हाल ही की तनाव की घटनाओं और “लाइन ऑफ कन्ट्रोल (एलओसी)” पर चल रहे तनाव के बावजूद, आतंकवाद एवं सुरक्षा मामलों के प्रमुख विशेषज्ञों ने भारत एवं पाकिस्तान के बीच किसी बड़े युद्ध की संभावना को खारिज कर दिया है। उन्होंने जोर देते हुये कहा है कि स्थिति संवेदनशील बनी हुई है, लेकिन आशा की जाती है कि आगामी दिनों में स्थितियाँ स्थिर हो जायेंगी।

मीडिया से बात करते हुये, जाने-माने आतंकवाद -विश्लेषक अजय साहनी ने दावे के साथ कहा कि ऐसी संभावना नहीं है कि पाकिस्तान संघर्ष को और बढ़ायेगा। साहनी ने कहा, “पाकिस्तान भारत के साथ सैन्य टकराव को कायम रखने की स्थिति में नहीं है। उसकी कमज़ोर आर्थिक स्थिति और घरेलू राजनैतिक चुनौतियों के

- पर, इन्टेलिजेंस एजेंसियों का मानना है कि कुछ समय के लिये आतंकवादी हरकतें, जैसे सीमा पर घुसपैठ आदि, की संख्या बढ़ने की जरूर आशंका है। पर अभी तक भारत के सुरक्षा बल ने सख्ती से इन पर कंट्रोल कर लिया है।
- इस संदर्भ में रिटायर्ड ले.जनरल राकेश शर्मा के अनुसार, स्थानीय स्तर पर घुसपैठ के प्रयास कोई अनहोनी बात नहीं हैं, पर अभी तक दोनों तरफ से प्रतिक्रिया संयम बरतने की है, न कि “टैन्शन” (तनाव) को बढ़ाने की।
- गिरती आर्थिक स्थिति, अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर अकेला पड़ने की संभावना व देश के अन्दर अस्थिरता की स्थिति के कारण, पाकिस्तान लम्बी लड़ाई लड़ने की स्थिति में नहीं है और भारत के विदेश मंत्रालय के इस वक्तव्य से, कि भारत का विश्वास इस पूरे क्षेत्र में शांति व स्थिरता बनाये रखने में है, आनन-फानन में युद्ध होने की संभावना क्षीण लगती है।

चलते, ऐसी आशा की जा रही है कि पाकिस्तान दुश्मनी को बढ़ाने के बजाय, अपने कदम पीछे हटायेगा।” उन्होंने आगे कहा कि दोनों ही देश मौजूदा भू-राजनैतिक स्थिति में, किसी बड़े युद्ध के भयंकर परिणामों को बहुत अच्छी तरह जानते हैं।

तनाव में हाल ही हुई जबरदस्त वृद्धि की शुरुआत के पीछे जम्मू-कश्मीर के पहलगाम क्षेत्र में हुई अग्रवादी गतिविधि तथा सीमा पर हुये युद्ध-विराम के उल्लंघन की विभिन्न घटनाएं हैं। भारतीय सुरक्षा बलों ने सीमा पर हुये युद्ध विराम -उल्लंघनों का जवाब पूरी तत्परता एवं दृढ़ता से दिया है तथा यह सुनिश्चित किया है कि घुसपैठ या उत्तेजना पैदा करने वाली कोशिशों का जवाब असरदार तरीके से दिया जाये। लेकिन रक्षा अधिकारियों ने इस बात की पुष्टि की है कि हमारा जवाब संयत एवं संतुलित रहता है ताकि तनाव में (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पी.डब्ल्यू.डी. प्रमुख सचिव व मुख्य अभियंता को अवमानना नोटिस जारी

जयपुर, 26 नवंबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने अदालती आदेश के बाद भी 30 जून को रिटायर हुए कर्मचारी को वेतन वृद्धि और अन्य सेवा परिलाभ नहीं देने पर पीडब्ल्यूडी विभाग के प्रमुख सचिव व मुख्य अभियंता सहित अन्य अफसरों को अवमानना नोटिस जारी किए है। जस्टिस विनोद कुमार भारवाणी

- हाईकोर्ट ने 30 जून को रिटायर हुए कर्मचारी को वेतनवृद्धि व अन्य लाभ नहीं देने पर ये आदेश दिये।

ने यह आदेश भूरसिंह की अवमानना याचिका पर दिया। याचिका में अधिवक्ता विजय पाठक ने बताया कि राज्य सरकार ने रिवाइज वेतन स्केल नियम 2008 व 2017 के तहत प्रदेश के सभी अफसरों व कर्मचारियों की वार्षिक वेतन वृद्धि में समानता लाने के लिए सालाना वेतन बढ़ोतरी के लिए एक जुलाई की तारीख तय (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

रेल अधिकारियों ने कश्मीर में नए रेल प्रोजैक्ट्स का सुरक्षा की दृष्टि से पुनः मुआयना शुरु किया

इन नए प्रोजैक्ट्स में शामिल हैं भारत का सबसे बड़ा 12.77 किलोमीटर टनल (सुरंग), विश्व का सबसे ऊँचा रेलवे पुल। इस क्षेत्र का 87 प्रतिशत हिस्सा सुरंग से ही तय किया जा सकता है

-श्रीनंद झा-

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 अप्रैल। पहलगाम हमले के बाद, कश्मीर में कटरा-श्रीनगर रेल-लाइन पर कॉमर्शियल ऑपरेशन शुरू करने को लेकर अधिकारियों में अनिश्चितता व्याप्त हो गई है, क्योंकि ऊधमपुर श्रीनगर बारामुला रेल लिंक परियोजना के तहत सुरक्षा उपायों को सख्त किया गया है।

कटरा-संगमदम रेल लाइन, जो कटरा से कश्मीर घाटी तक रेल लिंक को पूरा करेगी, अब तैयार है और रेल सुरक्षा आयुक्त (कमिश्नर ऑफ रेल सिक्युरिटी) ने कॉमर्शियल ऑपरेशन्स शुरू करने की मंजूरी दे दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 19 अप्रैल को रेल लिंक

- मुआयने के बाद आर.पी.एफ., जी.आर.पी., तथा राज्य की पुलिस के जवान, जो यहां तैनात हैं, को हिदायत दी गई है कि इन नई रेलवे लाइन्स पर सुरक्षा की दृष्टि से हर घंटे अपना “इनपुट” आपस में साझा करें।
- इन सुरंगों पर लगे सी.सी.टी.वी. फुटेज को मॉनिटर करने के लिये नए सेंटर बनाये व सक्रिय किये गये हैं।

का उद्घाटन करना था, लेकिन उद्घाटन की तिथि को कथित तौर पर खराब मौसम के कारण स्थगित कर दिया गया। पहलगाम हमले के बाद के तनावपूर्ण माहौल को देखते हुए, रेलवे और सुरक्षा अधिकारियों की संयुक्त

टीमों ने क्षेत्र में सुरक्षा खतरों का पुनः आकलन करने की प्रक्रिया शुरू की है। उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक अशोक कुमार वर्मा ने बुधवार को कुछ सुरंगों और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचों का विस्तृत निरीक्षण किया। इस दौरान (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

‘गिरफ्तारी पर सुप्रीम कोर्ट के 1996 के दिशा निर्देशों की पालना करें’

जयपुर, 26 अप्रैल। राज्य मानवाधिकार आयोग ने राज्य सरकार को आदेश दिए हैं कि आपराधिक मामले में व्यक्ति की गिरफ्तारी को लेकर सुप्रीम कोर्ट की ओर से साल 1996 में दिए दिशा-निर्देशों की कड़ाई से पालना की जाए। इसके साथ ही आयोग ने इस आदेश की पालना के लिए आदेश की कॉपी मुख्य सचिव, डीजीपी, एसीएस गृह और दौसा कलेक्टर व एसपी को भेजी है। इसके साथ ही आयोग ने एक

- सूर्योदय से पूर्व महिला पुलिस कर्मियों की गैर-मौजूदगी में महिलाओं को गिरफ्तार करने में तत्कालीन सैथल थानाधिकारी पर अनुशासनात्मक कार्यवाही के लिये कहा।

प्रकरण में परिवादी के परिजनों से मारपीट करने और महिला पुलिसकर्मी की गैरमौजूदगी में महिलाओं को सूर्योदय से पूर्व गिरफ्तार करने के दोषी तत्कालीन सैथल थानाधिकारी एसआई अजीत बडसरा और कांस्टेबल धर्मासिंह के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई करने को कहा है। आयोग सदस्य आरसी झाला ने यह आदेश विजेन्द्र की ओर से पेश परिवाद पर सुनवाई करते हुए दिए। परिवाद में विजेन्द्र सिंह ने कहा कि सैथल में पट्टाशुदा जमीन खरीद कर उस (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भारी “इन्सैन्टिव” देने के बावजूद विदेशी मुद्रा व कम्पनियों का पलायन रुक नहीं रहा चीन से

“फॉरन डाइरैक्ट इन्वेस्टमेंट” (विदेशी पूंजी निवेश) गत वर्ष की तुलना में 27.1 प्रतिशत कम हुआ

-सुकुमार साह-

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 अप्रैल। बीजिंग द्वारा विदेशी पूंजी को फिर से आकर्षित करने के आक्रामक प्रयासों के बावजूद, अमेरिकी कंपनियाँ पीछे हट रही हैं, और भारत जैसे बाजारों की ओर रुख कर रही हैं, जहाँ राजनीतिक स्थिरता और बढ़ता उपभोक्ता वर्ग उन्हें अधिक सुरक्षित और लाभकारी भविष्य के लिए आश्वासन करता है।

भारत एक प्रमुख विकल्प बनकर उभर रहा है, खासकर निर्माण और प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में। इसकी अंग्रेजी बोलने वाली बड़ी आबादी, बेहतर हो रहा बुनियादी ढाँचा, और सरकार की पीएलआई योजनाओं जैसी प्रोत्साहन नीतियाँ, एप्पल, गूगल और टेस्ला जैसी

- ये कम्पनियां भारत के अलावा वियतनाम, मैक्सिको, फिलिपीन्स, मलेशिया, थाइलैंड, पोलैण्ड, व चैक गणराज्य को वैकल्पिक “लोकेशन” के रूप में देख रही हैं, अपने नए उद्योग व पूंजी लगाने के लिये।

बड़ी कम्पनियों के सप्लायर्स को आकर्षित कर रही हैं।

अमेरिकन चैंबर ऑफ कॉमर्स इन चाइना (एम चैम चाइना) की एक कड़ी चेतावनी दशाती है कि राजनीतिक बाधाएं, नियामक अनिश्चितता और व्यापारिक टकराव उन फायदों से भारी पड़ रहे हैं, जिनके कारण कभी चीन दुनिया के सबसे आकर्षक बाजारों में से एक था। यूएस-चीन के बीच बढ़ते तनाव के माहौल में बीजिंग की 20-बिंदु की निवेश योजना भी कंपनियों की

आशंकाओं को कम करने में असफल रही है।

एम चैम चाइना के 2025 का श्वेतपत्र जारी करते हुए चैम्बर के अध्यक्ष माइकल हार्ट ने स्पष्ट शब्दों में कहा: “हमारी कंपनियाँ केवल दोनों देशों के बीच के राजनीतिक जोखिमों को लेकर ही चिंतित नहीं हैं, बल्कि व्यापारिक अवरोधों और चीन में निवेश को लेकर अनिश्चितताओं को लेकर भी परेशान हैं।” यह रिपोर्ट 350 से अधिक अमेरिकी कंपनियों का सर्वे कर बनाई

जाती है। बिगडूते यूएस-चीन संबंध लगातार पांचवें वर्ष व्यापारिक चिंताओं की सूची में शीर्ष पर रहे, जिसमें 63 प्रतिशत प्रतिभागियों ने भू-राजनीतिक तनाव को उनके काम करने में सबसे बड़ी चुनौती बताया। यह रिपोर्ट ऐसे समय आई है जब दोनों देशों के बीच संबंध और अधिक कटु हो गए हैं, विशेषकर तौर टैरिफ युद्ध के कारण। वर्ष 2024 के अंत से वाशिंगटन और बीजिंग ने एक-दूसरे के उत्पादों पर शुल्क दोगुने से भी अधिक टैरिफ लगा दिया है, जिससे बहुराष्ट्रीय कंपनियों पर दबाव और बढ़ गया है। हालांकि हार्ट ने यह भी उल्लेख किया कि पदों के पीछे दोनों देश नुकसान (शेष अंतिम पृष्ठ पर)



जौहरी बाजार में शुक्रवार देर रात हुए विवाद के बाद शनिवार शाम को कुछ लोग जौहरी बाजार में जबरन दुकानें बंद कराने लगे, जिसके बाद पुलिस ने प्रदर्शन कर रहे लोगों को हल्का बल प्रयोग कर खदेड़ दिया।

